चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी

दिनांक 9:3:2019 पृष्ठ सं. 4 कॉलम 1,2

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह के साथ सम्मानित की गई महिलाएं

मिशन ग्रीन ने पॉलीथिन का इस्तेमाल न करने की महिलाओं को दिलावाई शपथ

हिसार, 8 मार्च (ब्यूरो): जिलेभर में महिला दिवस मनाया गया। शिक्षा और संघर्ष चैरीटेबल ट्रस्ट द्वारा कुम्हार धर्मशाला में 51 महिलाओं को सम्मानित किया और 51 परिवारों को गोद भी लिया। इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि अंतर्राष्ट्रीय बजरंग दल के जिला अध्यक्ष विक्की सोनी, उर्किय, नगर निगम पार्षद अम्बिका शर्मा व सुशील कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामनिवास सिन्हा ने की व संचालन सुधा चौधरी ने किया

वहीं, महिला सशक्तिकरण को समर्पित सामाजिक संस्था ईच वन-टीच वन की किरतान इकाई की ओर से महिला दिवस के उपलक्ष्य पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्था की ओर से खुद का व्यवसाय स्थापित करके आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हुई 35 महिलाओं को नारी शक्ति सम्मान देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संयोजक एवं गंगवा स्कूल के प्राध्यापक प्यारेलाल ने की। वहीं अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मिशन ग्रीन फाऊंडेशन के संस्थापक स्वामी सहजानंद नाथ ने महिलाओं को कपड़े के थैले वितरित किए, साथ ही महिलाओं को पॉलीथिन का इस्तेमाल नहीं करने की शपथ दिलाई।

हिसार, हकृवि में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर होम साइंस कालेज में सेमीनार हुआ। कुलपति प्रो.के.पी. सिंह ने कहा कि आज महिलाएं विभिन्न क्षेत्रों में भाग लेकर सफलता की कहानी लिख रही हैं। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ज्योति बैंदा ने कहा महिलाओं को अपने अधिकारों के लिए खुद लड़ना होगा। इस मौके पर अपनी प्रतिभा और मेहनत के बलबूते पर विभिन्न क्षेत्रों में मिसाल पेश करने वाली महिलाओं-हिसार की पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाल, पर्वतारोही अनिता कुंडू, दिक्षा आर्य, अंशु डिल्लों और कोमल गम्भीर को प्रशस्ति-पत्र और पगड़ी देकर सम्मानित किया गया।

छात्राओं को दी स्वास्थ्य बारे जानकारी

हिसार, राजकीय आई.टी.आई. में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक सैमीनार का आयोजन किया गया। सैमीनार में अधिवक्ता कमला सहरावत बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रही। वहीं अध्यक्षता प्रधानाचार्या प्रेम किरण ने की। डा. मोनिका बांगा ने छात्राओं को स्वास्थ्य सम्बन्धित जानकारी दी।

केक काट कर मनाया महिला दिवस

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर
दिनांक 2.2.2015 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-8

एचएयू में वुमन डे पर नेशनल सेमिनार

आठ महिलाओं के सिर पर सजी आत्मविश्वास की पगड़ी

सिटी रिपोर्टर • मैं तजुर्बे के मुताबिक खुद को ढाल लेती हूं, कोई प्यार जताए तो जेब संभाल लेती हूं, नहीं करती थप्पड़ के बाद दूसरा गाल आगे, खंजर खींचे कोई तो तलवार निकाल लेती हूं... कुछ ऐसी ही पंक्तियों के साथ महिलाओं ने अपने मजबूत इरादे, जज्बातों, आत्मसम्मान और विकास की बात रखी। यह मौका रहा एचएयू के होमसाइंस कॉलेज में आयोजित हुए विजन इंडिया के वुमन डे की लैंगिक समानता के लिए रणनीतियां विषय पर नेशनल सेमिनार का। इसमें देशभर में सशक्त रूप से कार्य कर रहीं महिलाओं को रोल मॉडल के खिताब के साथ पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे यूनिवर्सिटी वीसी प्रो. केपी सिंह। उन्होंने ने कहा कि महिलाओं को आर्थिक आजादी, और सम्मानता दिए बिना आदर्श समाज की कल्पना व्यर्थ है।

विभिन्न क्षेत्रों में अग्रणी रहीं महिलाएं पहुंची सेमिनार में

- शकुंतला राजलीवाला : पूर्व मेयर।
- अनीता कुंडू : माउंट एवरेस्ट दो बार कर चुकीं फतेह।
- दीक्षा आर्य : गोरखपुर में सर्वाधिक शिक्षित बेटी का खिताब जीता। गरीब बच्चों को पढ़ाने का भी कर रही काम।
- डॉ. अनीता बेंजामिन : ग्लोबल वीमन एम्बेसडर, आरआईएम नेटवर्क की है फाउंडर प्रेसीडेंट।
- अंशू ढिल्लो : महिला सरपंच।
- मिस कमल गम्भीर : सोशल वर्कर, वुमन राइट्स एक्टिविस्ट।
- मोनिका : सोशल वर्कर, दहेज प्रथा के खिलाफ भी करती हैं काम।
- बिनोद सांगवान : बाल विवाह रोक, गरीब लड़कियों की करती हैं मदद।

पोस्टर एग्जीबिशन में भी गर्ल्स ने दिखाया इंटरेस्ट

रंगीलो ढोलना...

निम्बुडा निम्बुडा.... और रंगीलो म्हारो ढोलना...जैसे राजस्थानी गीतों पर स्टूडेंट्स ने अपनी परफॉर्मेंस दी। इसके साथ ही हरियाणवी और पंजाबी गानों पर परफॉर्मेंस हुई।

समाज व परिवार दोनों को करने होंगे प्रयास

विशिष्ट अतिथि डॉ. प्रतिमा गुप्ता, होमसाइंस कॉलेज की डीन विमला ढांडा, डॉ. आरएस सांगवान, डॉ. सांगवान, ज्योति बिंदा, सुशीला उपस्थित रहीं। डॉ प्रतिमा गुप्ता ने कहा कि महिलाओं के विकास के लिए केवल सरकार और कानून पर्याप्त नहीं बल्कि परिवार और समाज को भी प्रयास करने होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....अमर उजाला....
दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-8

महिलाओं की आजादी बिना आदर्श समाज की कल्पना व्यर्थ : प्रो. सिंह

एचएयू के होम साइंस कॉलेज द्वारा 'लैंगिक समानता के लिए रणनीतियां' विषय पर सेमिनार का आयोजन, महिला दिवस पर जिलेभर में कई जगह हुए कार्यक्रम

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। महिलाओं को आर्थिक आजादी, निर्णय लेने का अधिकार और समानता दिए बिना एक आदर्श समाज की कल्पना व्यर्थ है। यह बात चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर होम साइंस कॉलेज द्वारा लैंगिक समानता के लिए रणनीतियां विषय पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए कही।

कुलपति ने कहा कि आज महिलाएं राजनीति, शिक्षा, वैज्ञानिक कार्य, कॉर्पोरेट, खेल, आईटी, अनुसंधान और विकास, व्यापार और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी सफलता की कहानी लिख रही हैं। सभी को जीवन और समाज में महिलाओं के योगदान के लिए उनके प्रति स्नेह और कृतज्ञता व्यक्त करनी चाहिए, परंतु विडंबना है कि महिलाओं के प्रति असमानता का भाव समाज में आज भी विद्यमान है। उन्होंने कहा महिलाओं का अस्तित्व पुरुषों से कहीं कम नहीं। आवश्यकता केवल महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की है। कार्यक्रम में [illegible] की प्रोटेक्ट कंपनी की कार्पोरेट हेड डॉ. [illegible] व [illegible] मैनेजर [illegible] सहित पांच [illegible] उपस्थित थीं।

एचएयू में कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ सम्मानित की गई महिलाएं।

कई हस्तियों को पगड़ी देकर किया सम्मानित

इस मौके पर हिसार की पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाला, [illegible] और कोमल [illegible] को प्रशस्ति-पत्र और पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति ने [illegible] संबंधी सीडी का भी विमोचन किया।

समाज और परिवार को भी करने होंगे प्रयास

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पूर्व डिप्टी सिविल सर्जन, डॉ. [illegible] ने कहा महिलाएं समाज की धुरी होने के बावजूद सदा असमानता का शिकार रही हैं। इसका मुख्य कारण उनमें शिक्षा का अभाव है। उन्होंने कहा इसके लिए केवल सरकार के प्रयास व कानून पर्याप्त नहीं।

हर क्षेत्र में महिलाओं की महान सफलता : डॉ. विमला

होम साइंस कॉलेज की डीन डॉ. विमला ढांडा ने कहा कि दुनिया भर की महिलाओं को समर्पित यह विशेष दिन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की महान सफलताओं के साथ-साथ भविष्य को आकार देने का उत्सव है। हमें महिलाओं को प्रेरणा लेकर [illegible] और [illegible] मजबूत बनाना चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भूमि
दिनांक 9.2.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-4

हकृवि में लैंगिक समानता के लिए रणनीतियां विषय पर सेमिनार

आज हर क्षेत्र में महिलाएं अग्रणी : प्रो. केपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

महिलाओं को आर्थिक आजादी, निर्णय लेने का अधिकार और समानता दिए बिना एक आदर्श समाज की कल्पना व्यर्थ है। यह बात हकृवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने आज अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर होम साइंस कालेज द्वारा लैंगिक समानता के लिए रणनीतियां विषय पर आयोजित सेमिनार में कही। कुलपति ने कहा आज महिलाएं राजनीति, शिक्षा, सामाजिक कार्य, कॉर्पोरेट, खेल, आईटी, अनुसंधान और विकास, नवाचार और विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से भाग लेकर अपनी सफलता की कहानी लिख रही हैं। हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष ज्योति बैंदा जोकि इस अवसर पर मुख्य वक्ता थीं, ने कहा कि पुरूष और महिला की बीच असमानता की समस्या बहुत गहरी है जबकि इन दोनों को समान अधिकार प्राप्त हैं।

- पुरूष और महिला के बीच असमानता की समस्या बहुत गहरी : बैंदा

हिसार। पर्वतारोही अनिता कुण्डू को सम्मानित करते कुलपति प्रो. केपी सिंह। फोटो : हरिभूमि

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि पूर्व डिप्टी सिविल सर्जन, डॉ. प्रतिमा गुप्ता ने कहा महिलाएं समाज की धुरी होने के बावजूद सदा असमानता का शिकार रही हैं। इसका मुख्य कारण उनमें शिक्षा का अभाव है। उन्होंने कहा इसके लिए केवल सरकार के प्रयास या कानून पर्याप्त नहीं अपितु समाज और परिवार को भी प्रयास करने होंगे। इससे पूर्व होम साइंस कालेज की डीन डॉ. बिमला ढांडा ने कहा कि दुनिया भर की महिलाओं को समर्पित यह विशेष दिन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की महान सफलताओं के साथ भविष्य को आकार देने का उत्सव है। एनजीओ विजन की जिला अध्यक्ष सुनिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इनको किया सम्मानित

इस मौके पर अपनी प्रतिभा और मेहनत के बलबूते पर विभिन्न क्षेत्रों में मिसाल पेश करने वाली महिलाओं-हिसार की पूर्व मेयर शकुंतला राजलीवाल, पर्वतारोही अनीता कुंडू, दिक्षा आर्य, अंशु ढिल्लों और कोमल गन्नौर को प्रशस्ति-पत्र और पगड़ी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में फिनलैंड की फोर्टम कंपनी की कार्पोरेट हैड डॉ. अंतिला हेली व सीनियर मैनेजर हेली विर्की सहित पांच सदस्यीय दल भी उपस्थित था।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-4

फिनलैंड के वैज्ञानिक दल ने की किसानों से मुलाकात

धान के अवशेषों के प्रबंधन पर की चर्चा

हिसार, 8 मार्च (ब्यूरो): फिनलैंड की कम्पनी बायोटूएक्स फोर्टम की हैड, डा. एंटिला हैली के नेतृत्व में 4 सदस्यीय वैज्ञानिक दल 7 मार्च को चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि वि.वि. आया।

इस दल ने वि.वि. के कुलपति प्रो. के.पी.सिंह से मुलाकात की। कुलपति के साथ हुई बैठक में धान के अवशेषों के प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में वि.वि. के अनुसंधान निदेशक, डा. एस. के. सहरावत व अन्य डीन, डायरैक्टर, वैज्ञानिक तथा अधिकारीगण भी उपस्थित थे ।

डा. एंटिला हैली ने बताया कि धान के अवशेषों में मुख्यत: 3 प्रकार के पदार्थ- सैल्यूलॉस, हेमि सैल्यूलॉस तथा लिगलिन होते हैं। उन्होंने बताया कि सैल्यूलोस से ब्राऊन पल्प, हेमि

कुलपति प्रो. के.पी.सिंह के साथ बैठक में उपस्थित फिनलैंड की कम्पनी के प्रतिनिधि।

सैल्यूलॉस से एथनॉयल व फ्यूट्रल तथा लिगलिन से एसिटिक एसिड जैसे पदार्थ बनाकर धान के अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है।

इस दल ने कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहाबाद का भी दौरा किया और वहां किसानों से मुलाकात की। दल ने इन किसानों को धान के अवशेषों को न जलाकर उनका उपयोग करना बताया। किसानों ने भी इस विषय में रुचि दिखाई। इस दल ने आज कृषि प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय का दौरा किया तथा यंत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कुलपति व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक, डा. दलविंद्र पाल सिंह के साथ दीनदयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलैंसी में विभिन्न दैशों के सहयोग से चल रहे पायलट प्रोजैक्ट्स का भी निरीक्षण किया और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के बायोगैस प्लांट पर चल रहे कार्यों की सराहना की तथा अपनी कम्पनी की भागीदारी करने में भी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने इस पायलट प्रोजैक्ट पर अपनी कंपनी का विश्वविद्यालय के साथ एम.ओ.यू. करने का प्रस्ताव रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

बांस से ऍथनायल निकालने वाली कंपनी का दल पहुंचा एचएयू

धान के अवशेष से तीन तरह के पदार्थ निकालने के दिए टिप्स

कुलपति के साथ बैठक में उपस्थित फिनलैंड कंपनी के प्रतिनिधि।

भास्कर न्यूज | हिसार

धान के अवशेषों से कई प्रकार के पदार्थ बनाए जा सकते हैं। देश में कुछ कंपनियों ने इसके लिए कदम बढ़ाए हैं। इसी तरह एचएयू में फिनलैंड की कंपनी बायो टू एक्स फोर्टम की हेड डॉ. एंटिला हैली चार सदस्यीय वैज्ञानिक दल के साथ आईं। उन्होंने बताया कि धान के अवशेषों में मुख्यतः तीन प्रकार के पदार्थ - सेल्यूलॉस, हेमि सेल्यूलॉस तथा लिगलिन होते हैं। सेल्यूलोस से ब्राउन पल्प, हेमि सेल्यूलॉस से एथनॉयल व फ्यूट्रल तथा लिगलिन से एसिटिक एसिड जैसे पदार्थ बनाकर धान के अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि न्यूमैलीगढ़ रिफायनरी लिमिटेड के नाम से असम में उनकी कंपनी बांस की लकड़ी से एथनॉयल सफलतापूर्वक बना रही है। इस दल ने एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति के साथ हुई बैठक में धान के अवशेषों के प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रयोग पर चर्चा हुई।

पायलट प्रोजेक्ट्स पर दिया विशेष ध्यान

इस दल ने कृषि विज्ञान केंद्र, फतेहाबाद का भी दौरा किया और वहां किसानों से मुलाकात की। दल ने इन किसानों को धान के अवशेषों को न जलाकर उनका उपयोग करना बताया। किसानों ने भी इस विषय में रुचि दिखाई। इस दल ने कृषि प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय का दौरा किया और यंत्रों का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 15 कॉलम 3-4

फिनलैंड की कंपनी का दल पहुंचा कृषि विश्वविद्यालय

कुलपति प्रो. केपी सिंह के साथ बैठक में उपस्थित फिनलैंड की कंपनी के प्रतिनिधि।

जागरण संवाददाता, हिसार : फिनलैंड की कंपनी बायोट्एक्स फोर्टम की हेड, डा. एंटिला हैली के नेतृत्व में चार सदस्यीय वैज्ञानिक दल 7 मार्च को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आया। इस दल ने कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति के साथ हुई बैठक में धान के अवशेषों के प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक, डा. एसके सहरावत व अन्य डीन, डायरेक्टर, वैज्ञानिक और अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

डा. एंटिला हैली ने बताया कि धान के अवशेषों में मुख्यतः तीन प्रकार के पदार्थ - सेल्यूलॉस, हेमि सेल्यूलॉस और लिगलिन होते हैं। उन्होंने बताया कि सेल्यूलोस से ब्राउन पल्प, हेमि सेल्यूलॉस से एथनॉयल व फ्यूट्रल तथा लिगलिन से एसिटिक एसिड जैसे पदार्थ बनाकर धान के अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि न्यूमैलीगढ़ रिफायनरी लिमिटिड के नाम से असम में उनकी कंपनी बांस की लकड़ी से एथनॉयल सफलतापूर्वक बना रही है।

इस दल ने कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहाबाद का भी दौरा किया और वहां किसानों से मुलाकात की। दल ने इन किसानों को धान के अवशेषों को न जलाकर उनका उपयोग करना बताया। किसानों ने भी इस विषय में रूचि दिखाई।

इस दल ने कृषि प्रोद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय का दौरा किया और यंत्रों का निरीक्षण किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम नित्य शक्ति टाईम्स

दिनांक 9.3.2015 पृष्ठ सं. 8 कॉलम 1-4

फिललैंड के दल ने की वीसी से मुलाकात

हिसार, 9 मार्च (निस)। फिनलैंड की कंपनी बायोटूएक्स फोर्टम की हैड, डॉ. एंटिला हैली के नेतृत्व में चार सदस्यीय वैज्ञानिक दल 7 मार्च को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय आया। इस दल ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह से मुलाकात की। कुलपति के साथ हुई बैठक में धान के अवशेषों के प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रयोग पर विस्तार से चर्चा हुई। इस बैठक में विश्वविद्यालय के अनुसंधान निदेशक, डॉ. एसके सहरावत व अन्य डीन, डायरेक्टर, वैज्ञानिक तथा अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

धान के अवशेषों के प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रयोग पर हुई विस्तार से चर्चा

डॉ. एंटिला हैली ने बताया कि धान के अवशेषों में मुख्यत: तीन प्रकार के पदार्थ- सेल्यूलॉस, हेमि सेल्यूलॉस तथा लिगलिन होते हैं। उन्होंने बताया कि सेल्यूलोस से ब्राउन पल्प, हेमि सेल्यूलॉस से एथनॉयल व फ्यूट्रल तथा लिगलिन से एसिटिक एसिड जैसे पदार्थ बनाकर धान के अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि न्यूमैलीगढ़ रिफायनरी लिमिटिड के नाम से असम में उनकी कंपनी बांस की लकड़ी से एथनॉयल सफलतापूर्वक बना रही है।

इस दल ने कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहाबाद का भी दौरा किया और वहां किसानों से मुलाकात की। दल ने इन किसानों को धान के अवशेषों को न जलाकर उनका उपयोग करना बताया। किसानों ने भी इस विषय में रूचि दिखाई। इस दल ने आज कृषि प्रोद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय का दौरा किया तथा यंत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कुलपति व हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के संयोजक, डॉ. दलविन्द्र पाल सिंह के साथ दीनदयाल उपाध्याय सैंटर ऑफ एक्सीलैंसी में विभिन्न देशों के सहयोग से चल रहे पायलट प्रोजेक्ट्स का भी निरीक्षण किया और अंतराष्ट्रीय स्तर के बायोगैस प्लांट पर चल रहे कार्यों की सराहना की तथा अपनी कंपनी की भागीदारी करने में भी दिलचस्पी दिखाई। उन्होंने इस पायलट प्रोजेक्ट पर अपनी कंपनी का विश्वविद्यालय के साथ एमओयू करने का प्रस्ताव रखा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 9.3.2017 पृष्ठ सं. 5 कॉलम 1-2

कपास पर वार्षिक बैठक 11 मार्च को, वैज्ञानिक करेंगे विचार-विमर्श

गुलाबी सुण्डी, जैसी समस्याओं का निकालेंगे समाधान

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 11 मार्च को उत्तरी क्षेत्रों की कपास पर वार्षिक सामूहिक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कपास की नई समस्याएं जैसे गुलाबी सुण्डी, पेराविल्ट आदि पर वैज्ञानिक विचार कर समाधान तलाशेंगे। उन्होंने बताया कि गत वर्ष जींद के पालवा गांव में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप बीटी किस्मों में देखा गया था जोकि अब चिंता का विषय है। इस बैठक में इसके कारणों एवं समाधान पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा। इस कार्यक्रम में कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एडीजी (व्यवसायिक फसलें), डॉ. आरके सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. आरएस सांगवान ने बताया कि उत्तरी राज्यों पंजाब, राजस्थान एवं हरियाणा के वैज्ञानिकों के साथ-साथ अन्य संस्थानों ने भी हिस्सा लेंगे। किसानों की समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

पहले सफेद मक्खी का दिया था समाधान

वर्ष 2014-15 में सफेद मक्खी की समस्या कपास उत्पादकों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई थी, तब विश्वविद्यालय एवं कृषि विभाग ने साथ मिलकर सफेद मक्खी की समस्या को नियंत्रण में रखने में सफलता पाई थी। विश्वविद्यालय द्वारा साप्ताहिक तौर पर किसानों के खेतों का सर्वे किया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब केसरी, अमर उजाला

दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 2, 6 कॉलम 3-5, 7-8

कपास पर वार्षिक सामूहिक बैठक 11 को

हिसार, 8 मार्च (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि वि.वि. में 11 मार्च को उत्तरी क्षेत्रों की कपास पर वार्षिक सामूहिक बैठक का आयोजन किया जा रहा है। हकृवि के कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के ए.डी.जी. (व्यावसायिक फसलें), डा. आर.के. सिंह मुख्यातिथि होंगे जबकि अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह करेंगे। कपास अनुभाग के प्रभारी डा. आर.एस. सांगवान ने बताया वर्ष 2014-15 में सफेद मक्खी की समस्या कपास उत्पादकों के लिए एक बड़ी समस्या बन गई थी तब विश्वविद्यालय एवं कृषि विभाग ने साथ मिलकर सफेद मक्खी की समस्या को नियंत्रण में रखने में सफलता पाई थी। अब कपास की नई समस्याएं जैसे गुलाबी सूंडी, पैराविल्ट इत्यादि पर इस बैठक में गहन विचार-विमर्श किया जाएगा।

कपास पर वार्षिक सामूहिक बैठक 11 को

हिसार। एचएयू में 11 मार्च को उत्तरी क्षेत्रों की कपास पर वार्षिक सामूहिक बैठक का आयोजन किया जाएगा। हकृवि के कपास अनुभाग, आनुवंशिकी एवं पौध प्रजनन विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा आयोजित इस बैठक में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एडीजी (व्यावसायिक फसलें), डॉ. आरके सिंह मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह करेंगे। कपास अनुभाग के प्रभारी डॉ. आरएस सांगवान ने बताया कि उत्तरी राज्यों पंजाब, राजस्थान एवं हरियाणा के वैज्ञानिकों के साथ-साथ केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर और अधीनस्थ क्षेत्रीय स्टेशन (सिरसा एवं कोयंबटूर) एवं केंद्रीय कपास प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान मुंबई के वैज्ञानिक भाग लेंगे। बैठक में वार्षिक अनुसंधान की प्रगति एवं गतिविधियों पर चर्चा के साथ-साथ कपास की नई उभरती समस्याओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 10.3.2017 पृष्ठ सं. 18 कॉलम 3-5

37 विद्यार्थियों ने लिया औषधीय पौधों और फलों के उत्पादन का प्रशिक्षण

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से कृषि उद्यमिता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डा. राजवीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। प्रशिक्षण संयोजक डा. संदीप आर्य ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण दौरान विद्यार्थियों को मधुमक्खी पालन, बीज उत्पादन, फल उत्पादन व मार्केटिंग, जैविक खेती, हाईटेक कृषि, सब्जियों का पॉलीहाउस उत्पादन, पॉपलर का कृषि वानिकी में महत्व व अतिरिक्त आय की प्राप्ति, औषधीय पौधों का उत्पादन आदि विषयों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। इस दौरान सहनिदेशक छात्र कल्याण डा. ओमेन्द्र सांगवान भी मौजूद रहे।

प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाणपत्र देते मुख्य अतिथि डा. राजवीर सिंह।

बेरोजगार युवाओं के पास हैं नवीन विचार, सुविधाएं नहीं : डा. राजबीर सिंह ने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं, लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... पंजाब केसरी .....

दिनांक 10:3:2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-3

मुख्यातिथि डा. राजवीर सिंह प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र देते हुए।

बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में अपार संभावनाएं : डा. राजवीर

हिसार, 9 मार्च (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्रों के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर आयोजित 2 सप्ताह का प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डा. राजवीर सिंह मुख्यातिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। डा. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डा. संदीप आर्य ने बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्रों ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....

दिनांक 10.3.2015.... पृष्ठ सं. ....5.... कॉलम ....5.6....

'खाद्य और पोषण संबंधी जिम्मेदारी के लिए युवाओं को आगे आना होगा'

हिसार| चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमिता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपन्न हुआ। समापन पर विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीय के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ......हरि भूमि......

दिनांक 10.3.2019 पृष्ठ सं. 12 कॉलम 5-6

युवाओं के लिए कृषि में अपार संभावनाएं : डॉ. राजवीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हकृवि के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश हैं। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीय के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। डॉ. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....नभ छोर........
दिनांक 9:3:2019 पृष्ठ सं. ...6... कॉलम ...3-5...

वानिकी विभाग ने दिया 37 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण

हिसार/09 मार्च/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपंन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीय के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। उन्होंने कहा कि अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पांस नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभरने के लिए हाथ पकड़ने और समर्थन की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण की रूपरेखा कृषि स्नातकों को नौकरी तलाशने वालों की नहीं बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी प्रदाताओं के रूप में तैयार करने के अनुरूप बनाई गई थी। उन्होंने कृषि उद्यमियता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया। डॉ. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्र-छात्राओं ने मधुमक्खी पालन, बीज उत्पादन, फल उत्पादन व मार्केटिंग, जैविक खेती, हाईटेक कृषि, सब्जियों का पॉलीहाऊस उत्पादन, पॉपलर का कृषि वानिकी में महत्व व अतिरिक्त आय की प्राप्ति, औषधीय पौधों का उत्पादन, पर्यावरण मैत्री रोग प्रबंधन विधि, फूलों की व्यावसायिक खेती, कृषि उत्पादों का विपणन, टिशु कल्चर विधि, मूल्य संवर्धित उत्पादों की भूमिका, ग्राफ्टिंग तकनीक आदि विषयों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को पंतनगर, जोलीकोट, संरक्षित व औषधीय खेती का दौरा भी करवाया गया जहां वैज्ञानिकों द्वारा चार व्याख्यान भी दिए गए। सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम .... नित्य शक्ति टाइम्स ....
दिनांक ...9.3.2019... पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....3-7....

बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में अपार संभावनाएं : डॉ. राजवीर

हिसार, 9 मार्च (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमिता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपंन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीय के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इसके अलावा कृषि क्षेत्र की भूमिका गरीबी को कम करने और अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भली प्रकार से स्थापित है। उन्होंने कहा कि अधिकांश बेरोजगार शिक्षित युवाओं के पास नवीन विचार हैं लेकिन आमतौर पर कृषि और संबद्ध विषयों में व्यावसायिक इकाई शुरू करने के लिए विशेषज्ञता और आधारभूत संरचना सुविधाएं नहीं हैं। इसके अलावा उन्हें तकनीक और प्रमाणीकरण प्रक्रियाओं और उनके कार्यान्वयन के बारे में पता नहीं है। उनमें से कई नए कौशल हासिल करने और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर अनुभव हासिल करने की इच्छा रखते हैं। इन युवाओं को कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में आत्मविश्वास और कुशल उद्यमियों के रूप में उभरने के लिए हाथ पकड़ने और समर्थन की आवश्यकता है। इस प्रशिक्षण की रूपरेखा कृषि स्नातकों को नौकरी तलाशने वालों की नहीं बल्कि विद्यार्थियों को नौकरी प्रदाताओं के रूप में तैयार करने के अनुरूप बनाई गई थी। उन्होंने कृषि उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षणों के आयोजन को लाभकारी बताया। डॉ. राजवीर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए। वानिकी विभाग के वैज्ञानिक व प्रशिक्षण संयोजक डॉ. संदीप आर्य ने मुख्य अतिथि एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए बताया कि इस प्रशिक्षण में कुल 37 कृषि स्नातक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण दौरान विद्यार्थियों को मधुमक्खी पालन, बीज उत्पादन, फल उत्पादन व मार्केटिंग, जैविक खेती, हाईटैक कृषि, सब्जियों का पॉलीहाऊस उत्पादन, पॉपलर का कृषि वानिकी में महत्व व अतिरिक्त आय की प्राप्ति, औषधीय पौधों का उत्पादन, पर्यावरण मैत्री रोग प्रबंधन विधि, फूलों की व्यावसायिक खेती, कृषि उत्पादों का विपणन, टिशु कल्चर विधि, मूल्य संवर्धित उत्पादों की भूमिका, ग्राफ्टिंग तकनीक आदि विषयों का व्यावहारिक ज्ञान दिया गया। उन्होंने बताया कि दो सप्ताह के इस प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को पंतनगर, जोलीकोट, संरक्षित व औषधीय खेती का दौरा भी करवाया गया जहां वैज्ञानिकों द्वारा चार व्याख्यान भी दिए गए। सहनिदेशक छात्र कल्याण डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ....पंजाब केसरी....

दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. ...3... कॉलम 7-8

बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में अपार संभावनाएं- डॉ. राजवीर सिंह

हिसार, 9 मार्च (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा कृषि महाविद्यालय के वानिकी विभाग के सहयोग से छात्र-छात्राओं के लिए कृषि उद्यमियता विषय पर आयोजित दो सप्ताह का प्रशिक्षण संपंन हुआ। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के डीन डॉ. राजवीर सिंह मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं के लिए कृषि में रोजगार के अवसर प्राप्त करने की भारी गुंजाइश है। कृषि और संबद्ध क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था के सतत विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। यह न केवल 1.3 अरब भारतीय के खाद्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करते हैं अपितु उत्पादन, रोजगार और मांग उत्पन्न करने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम अमर उजाला

दिनांक 9.3.2019 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 7-8

हकृवि में दो दिवसीय खरीफ कृषि मेला 12 और 13 को

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में 12-13 मार्च को खरीफ कृषि मेला-2019 का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए कुलपति प्रो. केपी सिंह ने बताया कि कृषि मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा, जिसमें किसानों को कृषि की उन्नत तकनीकों के साथ-साथ फसल अवशेषों के प्रबंधन के लिए इस विश्वविद्यालय में विकसित अभिनव व सस्ती प्रौद्योगिकी की जानकारी हासिल करने का अवसर मिलेगा।

उन्होंने बताया इस मेले में एक विशाल एग्रो-इंडस्ट्री प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय और लुवास के अतिरिक्त अन्य सरकारी विभाग और बीज, उर्वरक, कीटनाशक दवाओं, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भाग लेंगी और किसानों को अपने उत्पादों बारे जानकारी देंगी। फसल अवशेषों के प्रबंधन की प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, जिसका कृषि मेले में प्रदर्शन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हर साल मार्च में कृषि मेले का आयोजन करता है, जिसमें हरियाणा तथा पड़ोसी राज्यों से हजारों किसान भाग लेते हैं।

कृषि मेले में लगाई जाएगी एग्रो-इंडस्ट्री प्रदर्शनी

फसल प्रतियोगिताएं भी होंगी

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा ने बताया कि मेले में सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई रबी की फसलें दिखाई जाएंगी और उनमें प्रयोग की गई नई तकनीक की जानकारी दी जाएगी। इस अवसर पर फसल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। मेले में दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं भी आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर किसानों को मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की सुविधा भी मिलेगी। इसके अलावा मनोरंजन के लिए हरियाणावी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी।

लगेंगी 225 स्टॉल

संयुक्त निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्री प्रदर्शनी में 75 सरकारी व अर्धसरकारी और 150 गैर सरकारी एजेंसियों द्वारा स्टॉल लगाई जाएंगी। इसके लिए पहले आओ पहले पाओ के आधार पर स्टॉल आवंटित किए जा चुके हैं।